अमर उजाला

बरेली
शनिवार, 14 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण-दशमी
विक्रम संवत-2082

PAGE NO 4 : TOP

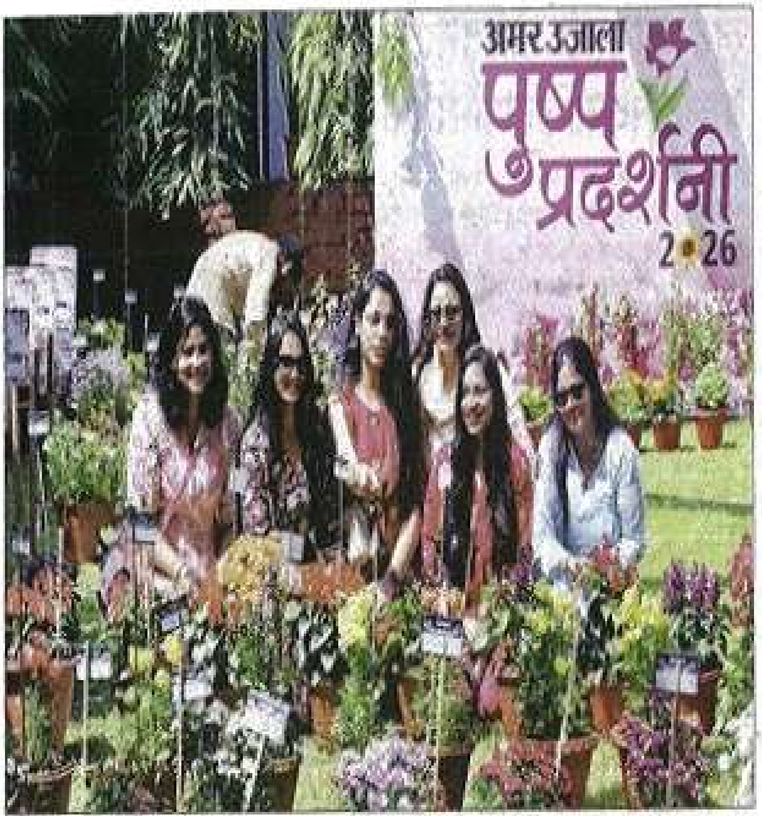

अमर उजाला कार्यालय में आयोजित पुष्प प्रदर्शनी देखने पहुंचीं महिलाएं। अमर उजाला

अमर उजाला परिसर में लगी पुष्प प्रदर्शनी। संवाद

महका परिसर, फूलों का दीदार करने पहुंचे प्रकृति प्रेमी

कैंट बोर्ड, आईवीआरआई, एसआरएमएस, केसीएमटी, फ्लोरा नर्सरी, डीएम आवास से आईं प्रविष्टियां

अमर उजाला पुष्प प्रदर्शनी 2026

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। अमर उजाला परिसर शुक्रवार को विभिन्न प्रजातियों के रंग-बिरंगे आकर्षक फूलों से गुलजार हुआ। फूलों के साथ सेल्फी और भीनी खुशबू का आनंद लेने के लिए शहरवासी पहुंचे। प्रदर्शनी शनिवार और रविवार को भी सुबह नौ से शाम पांच बजे तक खुली रहेगी।

शहरवासियों के लिए दो दिन सुबह नौ से शाम पांच बजे तक खुली रहेगी पुष्प प्रदर्शनी

प्रदर्शनी के पहले दिन भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, एसआरएमएस, केसीएमटी, फ्लोरा नर्सरी, कैंट बोर्ड, जिलाधिकारी कार्यालय समेत अन्य संस्थानों और सरकारी कार्यालयों से विभिन्न श्रेणियों में प्रविष्टियां आईं। पहले दिन पुष्प प्रेमियों समेत तमाम संस्थाओं के पदाधिकारी प्रदर्शनी देखने पहुंचे। उन्होंने कैक्टस, बोन्साई, गुलाब, डहेलिया, गेंदा, पिटूनिया, कारनेशन समेत अन्य मौसमी फूलों की किस्मों के साथ सेल्फी ली।

फूलों से आकर्षक सजावट, थीम आधारित मॉडल और गमलों में तैयार किए गए पौधों को प्रदर्शित किया। विजेता की घोषणा रविवार को होगी।

कार्यक्रम स्थल पर सेल्फी प्वाइंट और सजावटी गार्डन भी बनाए गए हैं। यहां फोटो क्लिक करने के साथ ही प्रदर्शनी देखने पहुंचे लोगों ने पौधों और फूलों की किस्मों के बारे में भी जानकारी ली। इसमें सीजनल, कट फ्लॉवर, असाधारण, गार्डन वर्गों में आकर्षक प्रविष्टियां पहुंची हैं।

फूलों ने कराया प्रकृति से करीबी का अहसास

- जब पता चला कि अमर उजाला में यह कार्यक्रम हो रहा है, तो खुद को रोक नहीं सकी। प्रदर्शनी में फूलों का मनमोहक नजारा मन को भा गया। - आकांक्षा सेठी
- पुष्प प्रदर्शनी से प्रकृति से जुड़ाव का संदेश सराहनीय है। पुष्प प्रेमियों को यह नजारा हर साल देखने को मिलता है। मुझे यहां आकर अच्छा लगा। - अंकिता अग्रवाल
- इतने सुंदर और दुर्लभ प्रजातियों के फूलों को एक साथ एक जगह देखना अच्छा अनुभव है। प्रदर्शनी, प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है। - इशिका अरोड़ा
- फूल सिर्फ मन को तरोताजा नहीं करते, बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करते हैं। इससे हमें नई वैरायटी के पौधों के बारे में जानकारी मिली। - गरिमा अरोड़ा